|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Prem Prakash Yadav	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	10/03/1993	TIME OF BIRTH :	06:30 PM
CITY :	Alwar	STATE :	Rajasthan
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Lal Kitab	SERVICE NAME :	Detailed Red Book Horoscope Report
QUESTION(S) :	1.health se related ..kya m kabi shi ho pyuga..pairo se.. 2.life related kab tk meri life shi hogi.and any ratan for me heath and wealth regarding.and my marriage kabi koi chance h		
Address : Shivaji Park, Alwar, Rajasthan, India			
Mobile No. : 8058021906		Email ID : sharad857@gmail.com	
ORDER ID : #1108	PAYMENT ID : 394741827	AMOUNT : ₹990	
Order Date : 05/01/2021	Delivery Date : 11/01/2021	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	सिंह
चंद्र राशि :	कन्या
ईष्ट देव :	बृहस्पति

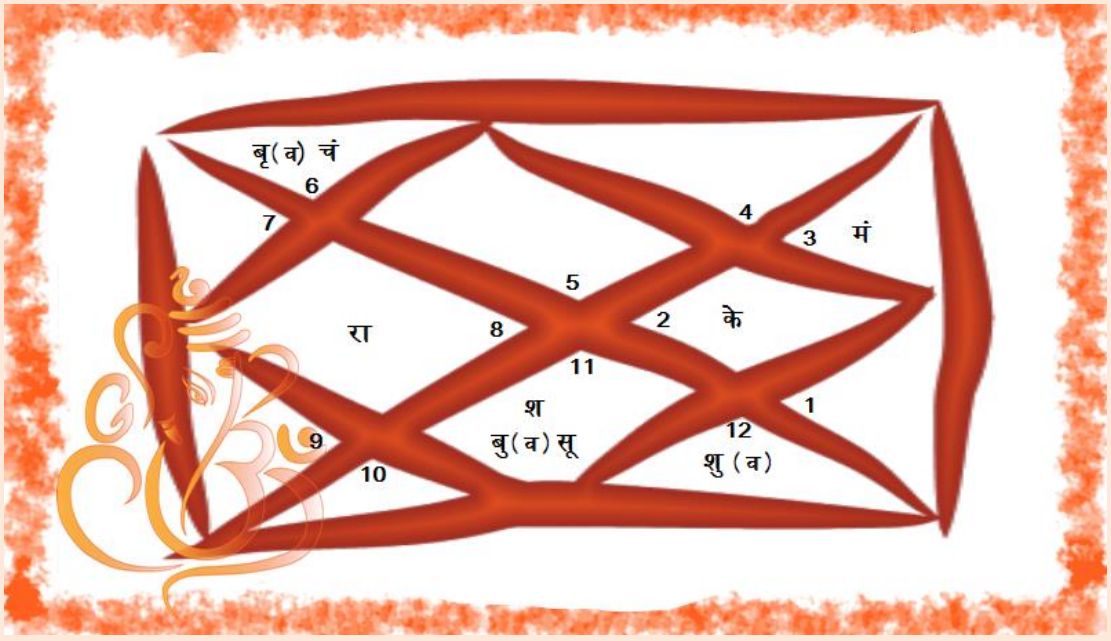

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान प्रेम प्रकाश यादव जी आपकी जन्म कुंडली अनुसार :-

आप प्रत्येक कार्य को शालीनता के साथ बड़े पैमाने पर करना पसंद करेंगे। आप स्पष्टवादी, खुले दिल वाले एवं निष्कपट व्यक्ति होंगे। आप महत्वाकांशी होंगे आप में प्रगति की इच्छा तीव्र होगी। आप सदैव आकर्षण का केंद्र बनना चाहेंगे। आपके अंदर क्रोध आने पर उत्तेजित होना फिर मन में किसी बात को न बैठाने तथा क्षमा कर देने की अपार शक्ति होगी। आप बहुत निर्भीक अदम्य साहसी तथा लड़ाकू होंगे किन्तु आपका लड़ना अनैतिक नहीं होगा। आप धर्मात्मा, दानी, पुरुषार्थी तथा स्वाभिमानी होंगे। आप अच्छे आलोचक होंगे बात की खाल निकालने में आनंदित होंगे तथा छोटी छोटी बातों की सूक्ष्म विवेचना करने वाले होंगे।

नाड़ी के कारक ग्रह शनि देव हैं, आपकी कुंडली में शनि देव बलहीन हैं। अतः यदि आप अपने पैरों को ठीक करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको शनि देव को प्रसन्न करना होगा एवं शनि ग्रह को बल प्रदान करना होगा। ऐसा होने पर रिकवरी संभव है। होम्योपैथिक इलाज कराएं आपको लाभ देगा।

विवाह के योग भी शनि को बल मिलने के साथ साथ बलिष्ठ होते चले जायेंगे। 2023 व 2027 में विवाह होने के योग बनते हैं। विवाह किसी ज्ञानवान अनुभवी ज्योतिषी द्वारा कुंडली मिलान कराने के पश्चात ही करें। यदि कन्या मिलकर चलने वाली मिल गई तो विवाहिक जीवन की गाडी चल जायेगी। शनि के साथ साथ बुध देव को भी बल प्रदान करने की आवश्यकता है।

2031 तक बृहस्पति की महादशा में पुश्तैनी संपत्ति प्राप्ति के भी योग कुंडली में उपलब्ध हैं।

आप सरकारी नौकरी करेंगे तो बहुत लाभ कमाएंगे। आपको शनि से सम्बंधित कार्य, एडमिनिस्ट्रेशन से सम्बंधित कार्य, पॉलिटिक्स से सम्बंधित कार्य, सरकारी कार्य से बहुत लाभ अर्जित होगा। शनि ग्रह प्राइवेट जॉब के भी कारक हैं।

विशेष उपाय :-

जीवन स्तर एवं प्रोफेशन को सुधारने हेतु निम्न तीन कर्म जीवन पर्यन्त करते रहे। यह आर्युवेदिक औषधि की तरह असर दिखाएँगे देर से किन्तु पूर्ण रूप से। यकीन मानिये आका जीवन इन तीन कर्मो को निरंतर व पॉजिटिव भाव के साथ करने से पलट जायेगा।

♦ प्रतिदिन सूर्य देव को हाथ जोड़कर नमस्कार करें व उन्हें सादा जल अर्पित करें।

♦ प्रतिदिन दो बार नहीं तो एक बार देसी घी (यदि सुबह के समय) व तिल के तेल (यदि संध्या के समय) का दीपक अवश्य जलाएं।

♦ मैडिटेशन / ध्यान करें।

अन्य आवश्यक उपाय :-

♦ तिल के तेल में अपना चेहरा देखकर शनिवार के दिन दान करें। ऐसा अक्सर करें।

♦ 43 शनिवार काले उड़द (मात्रा सामर्थ्य अनुसार) किसी जरूरतमंद को गुप्त रूप से दान करें अन्यथा मंदिर में शिवलिंग के समीप रख आएं।

♦ 43 सोमवार के दिन दूध / जल / फल / चावल का दान (मात्रा सामर्थ्य अनुसार) किसी जरूरतमंद को गुप्त रूप से दान करें अन्यथा मंदिर में शिवलिंग के समीप रख आएं।

♦ प्रतिदिन चंद्र देव को निहारें व उन्हें नमस्कार करें।

♦ 43 बुधवार के दिन (प्रतिदिन / साप्ताहिक रूप से) हरी मूंग की दाल (मात्रा सामर्थ्य अनुसार) किसी जरूरतमंद को गुप्त रूप से दान करें अथवा मंदिर में रख आएं। तत्पश्चात अक्सर करते रहे।

♦ बुधवार के दिन कभी कभी (एक / दो / तीन महीने में सामर्थ्य अनुसार) किन्नर को हरे रंग के कपडे / साडी गुप्त रूप से दान में दें। कभी कोई काम नहीं बन रहा है तो इसे गुप्त रूप से करें, काम बनने की संभावना बढ़ जाएगी व काम बनेगा भी।

♦ चन्द्र गायत्री मंत्र - ॐ अमृतंग अन्गाये विधमहे कलारुपाय धीमहि, तन्नो सोम प्रचोदयात (11,000 मंत्र, रुद्राक्ष माला)

♦ बुध गायत्री मंत्र - ॐ सौम्यरुपाय विधमहे वानेशाय च धीमहि, तन्नो सौम्य प्रचोदयात (9,000 मंत्र, रुद्राक्ष माला)

♦ शनि गायत्री मंत्र - ॐ भग्भवाय विधमहे मृत्युरुपाय धीमहि, तन्नो सौरी:प्रचोदयात (23,000 मंत्र, रुद्राक्ष माला)

उपाय करने हेतु नियम :-

विशेष उपाय :- निरंतर जीवन पर्यन्त करते रहे। अन्य उपायों के साथ इन्हे करते रहें।

अन्य आवश्यक उपाय :- 43 दिन दान करने वाले उपाय शीघ्र लाभ प्राप्ति हेतु प्रतिदिन करें अन्यथा साप्ताहिक भी किये जा सकते हैं।

43 दिन दान करने वाले तीन उपाय हैं, यह तीनो एक साथ नहीं करने हैं। सर्वप्रथम 43 बुधवार वाले करें इनकी समाप्ति के पश्चात 43 शनिवार वाले उपाय करें तत्पश्चात 43 सोमवार वाले उपाय करें।

छाया दान, चन्द्रमा को नमस्कार, किन्नर को दान वाले उपाय इनके साथ करते रहें।

गायत्री मंत्र वाले वाले उपाय एक साथ व इनके साथ करते रहें।

रुद्राक्ष :-

- 2 मुखी नेपाली रुद्राक्ष (प्राणप्रतिष्ठित, सिद्ध व अभिमंत्रित) धारण करें।

रत्न धारण परामर्श :

आपको निम्न रत्न धारण करने का परामर्श दिया जाता है | इनके धारण करने से आपको समयानुसार इनके प्रभाव प्राप्त होते रहेंगे | रत्न उच्च कोटि के व दोषमुक्त ही धारण करें अन्यथा इनसे आपको लाभ की अपेक्षा दुष्परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं|

माणिक्य रत्न धारण करने की विधि :-

सूर्य देव के रत्न माणिक्य अथवा रुबी को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का माणिक्य रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल माणिक्य स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात् अपने दाये हाथ की अनामिका में धारण करें | धारण करने से पूर्व माणिक्य युक्त अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में लगभग तीस

मिनट तक डाल दें | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती सूर्य देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे सूर्य देव मै आपका

आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा/ रही हूँ | मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर "ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:" मन्त्र का जाप 108 बार करते हुए अंगूठी को अगरबती के ऊपर से 108 बार घुमाये और अंगूठी को विष्णुजी के चरणों से स्पर्श करवा कर अनामिका में धारण करे |

पुखराज रत्न धारण करने की विधि :-

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा/ रही हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

पुखराज धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का पुखराज धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का पुखराज धारण करना है |

मूंगा रत्न धारण करने की विधि :-

मंगल देव के रत्न, मूंगे को ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै

आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा/ रही हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका / तर्जनी में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

मूंगा धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मूंगा धारण करें | माना की आपका वजन 65 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 6.5 अंक आता है अर्थात आपको सवा छह रत्ती का मूंगा धारण करना है |

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) *के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजिनल मूंगा. माणिक्य व पुखराज रत्न प्राप्त कर सकते हैं।*

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, नेपाली रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, ज्योतिष एवं वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |